Ref. No. AU/HZB/NSS/Reg./ 1886/2024-25

Date: - 30/12/2024

To,

The Regional Director

Ministry of Youth Affairs & Sports

Regional Directorate of NSS

7<sup>th</sup> Floor C Wing, Near Rajiv Nagar Thana,

Aashiyana \_ Digha Road, Patna \_ 800025.

Sub:- Monthly activities of NSS programmes for the month of 03 Dec to 29 Dec, 2024.

### Respected Sir,

In this regard, the details of a monthly report of the activities conducted under the banner of NSS in our university is as follows:-

Sl. No.	Activities	Date/Month
1.	विश्व मानवाअधिकार दिवस	10-12-2024
2.	मेरा युवा भारत (जिला स्तरीय युवा उत्साव)	15-12-2024
3.	राष्ट्रीय सेवा योजना अभिविन्यास कार्यक्रम 2024	24-12-2024

Thanking you.

Yours sincerely,

Dr. Munish Govind

Registrar





### आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

भारकण्ड पहुत्र24 काराजीका

धनजन गुमार च विल्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कीवस संभागार में आंतरिक गुणवना आश्वासन व विविध विचान के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा प्रोजना इकाई के बैना सने आर्थाजन फिला गया। एनएसएस को स्थान स्थानाओं की उसेर से पेश किए गए लक्ष्य गीत स प्रेरक क्टूबीधन से कार्यक्रम की गुणआत ed a mediene ufrage ob रीप एकंडमिक जो एमके मिला पे fines unrestfusire figure ur प्रकाश प्राप्तने हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाधिसान और समानता के साम मानव अधिकारों की रक्षा को लेका जागणक करता है। वॉ भीम राव अस्वेदकर के योगदान का क्रलेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडिंगन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समान की क्रीतियाँ और विकृतियों के विजनाफ वायर्थ किया। उन्होंने आज के युग में एकता और महानुभृति के सिंती को बनाए रखने की आवश्यकता वर और दिया। भुग्ना बक्ता व विधि विभाग बीच ब्री जपतीय साम्याल ने हा कि सान्धाधिकार एवं सूल लंबता ऐसे स्वरिक्तन अधिकार





और इस्पताओं पर आधारित होते It is its afficient it. Foreign filter flemm di seset & flefic flevern formmone wheel weekl भागवाधिकारी का नागरिक की जिस्सेदारी बताबी। ज़िक्स की समाज में फैलाने की आवश्यकता या चल दिया। धन्यवार ज्ञापन सीएस एंड आईसी विस्थान जीन बद्ध रंजन ने क्रिया।

रामाज में उनके महत्व की समझाने सहस्वपूर्ण प्रशिक्त निवाई । मीके पर कृषि संकाणधाक्ष हो अरथिद सूमार, एकआर राज विवास, डीमोओ पनाज सूमार, कृषि विकासमाधाक हो सल्लाकाम विश्वासाध्यक्षः ह्यं सत्यवक्रमः विश्वकर्षाः, प्रभातं किरणः, प्रतिशा हेंग्रम, फरहीन सिहीकी, संजय क्षूमार, जो आरमी रागा, जो विशय क्षुमार, संबंदेज खान, ग्रिति बर्मा, विश्वास्त्रा बाला, स्रति गीला स्थानी काओं य क्रियों के साथ स्वयंगयका छात्र-छात्राओं की मीजुदगी गरी।

# आइसेक्ट विवि में विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन

सबने को आवश्यकत पर तीर

यह दिन सम्मन, स्वभिनान और समनत के सथ मनव अधिकारों की रख को लेकर जगरूक करता है: डॉ एनके

आजार मिपारी मंबारदाना

हजारीबाग। विश्वविद्यालय, इजारीबाग के महत्व कैंपस संभागत में आंतरिक गणवता आश्वासन और विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा वीतना इकई के बैना तले. मंगलवार को विरुद्ध मानवाधिकार दिवस के मीके पर कार्यक्रम कर की रक्षा को लेकर जागरूक करता



दिवा। सम्बा वक्ता और विधि दिन सम्मान, स्वाचिमान और समनत के साथ मानव अधिकारों अवोजन किया रया। एनएमएम है। ही भीमराव अंबेडकर के ने मनविषकारों का संस्था और कमर, तबरेश खान, प्रिते वर्ण, के डाव-डावाओं की ओर से पेता. बोसदान का उल्लेख करते हुए, क्रियान्वरन करना इर नागरिक की. विशासा बाला, मीर गीता स्वामी किये गये लक्ष्य गीत व प्रेरक विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेख सहित अन्य प्राध्यापक उद्वेचन से कार्यक्रम की शुरुआत के डीन एडिमन डी एसआर त्थ ने बोजना समन्यविका डी रोजी करित प्रध्यापिकाओं और कर्मियों के साथ हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मीके कहा कि हाँ अध्येदकर ने समाज ने मनवाधिकारों की शिक्षा को साथ स्वयंसेवकों व अन्य हाउ-पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथ डीन की कुरीतियों और विकृतियों के समाज में फैलने की आवश्यकता छात्रओं की मौजूदगी रही।

क्रिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने पर बल दिया। धनवाद ज्ञापन आज के पत में एकता और सीएम एंड आइटी विषय डीन सहानधीर के सिद्धांतें को बनावें उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने छात्र-छात्रओं को मानवाधिकारों के प्रति सविदनशील विभाग डीन डी जबदीप सानवाल ने बनाने और समाज में उनके महत्व कहा कि यनवाधिकार और मूल को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार निमर्द। मैंके पर कवि संकापाध्यक्ष हैं, जो मनवंब आक्स्पकताओं हाँ अरविंद कुमार, एचआर राज और धमताओं पर आधारित होते | तिवारी, टीपीओ मनोज कमार, हैं। ये वे अधिकार हैं, जिनके बिन कृषि विधागध्यक्ष डॉ. सत्वप्रकाल व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठ का विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा विनाश हो जाता है। विधि विभाग हेंब्रम, फरहीन मिदीकी, संजय विभागानक कोमल फलावी भेगरा कुमर, डॉ अरसी रागा, डॉ विनव

**आयोजन** े विश्व मानवाधिकार दिवस पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

## मानवाधिकारों की रक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को किया प्रेरित

**₩** रावेदनशीलता बढ़ाने पर बल दिया

समानता के सिद्धांतों पर जोर

#### राष्ट्रीय खबर

हजरीबागः हजारीबाग आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना हकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्दोधन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतीर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस



पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाधिमान और समानता के साध मानव अधिकारों की रक्षा की लेकर आगरूक करता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की

क्रीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभृति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आधश्यकता पर जोर दिया। मरूप वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जबदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं

-- --

......

और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। ये वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विधान विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतावी। राष्ट्रीय सेवा बोजना समन्वविका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को

समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यबाद जापन सीएस एंड आईटी विचाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने खन-खनाओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज विवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्वप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति बर्मा, विशास्त्रा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं व कमियों के साथ साथ स्वयंशेवको व अन्य छात्र-छात्राओं की मीजुदगी रही।

HIT OF HEROSPIA PROJECT CONT.

MAGZTER

ति

रच्

... 100 -- 100 -- --- 100 --- 100

ď

## आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार **दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन**



खंदमा प्रकटी । इन्सारीकारा

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, इजारीकाग के मुख्य कैपस समापार में आंतरिक गुणवत्ता आप्रवासन व विध्य विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बेनर तमें मंगरवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यकार का आयोजन किया गया।

एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेड़ा किए गए लक्ष्य गील व प्रेरक उद्दोधन से कार्यक्रम की एक्क्ष्म परिचय के बाद मीके पर मीनूद बतीर मुख्य अतिथ दीन एकेदिका ने विश्व मानवादिकार दिवस मानवादिकार दिवस

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअग्रवल यह दिन सम्मान, स्थानसान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डा धीमराव अध्येतकर के सोगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व

विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रख ने कहा कि डॉ अच्चेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के विक्लाफ रंधर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहायुम्हित के विद्धार्ती को बलाए एखने की आव्यक्षकता पर और दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जबवीय

मानवाधिकार एवं मूल

हा चलतंत्रता ऐसे वे व्यक्तिगत अधिकता है, यो मान्यविद्य के आवश्यकताओं और होते हैं। वे वे व्यक्तिकार वे होते हैं। वे वे व्यक्तिकार ते हैं, जिनके बिना प्रथमितक का हनन वे जाता है। विधि य हो जाता है। विधि

क्षोधन्य पलनादी शेंगरा

ने धानवाधिकारों का

AISECT

नागरिक की जिम्मेवारी आराधी शास्त्रीय सेवा वीजना समन्वयिका डॉ रोजी काल ने सानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की उजाव्यकरता पर बाल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएम एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते वालें कि कार्यकाम वालें

क्रियान्स्यन करना हर

धात-धाताओं **WIT** मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील और समाज में उनके महत्त्व को समझाने महत्त्वपूर्ण धुमिका निभाई। मौके पर कृषि संकारकाध्यक wĭ serfain. вриге, एक भार राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ **EXPERIMENTAL** 

सायप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात

किरण, प्रतिभा हेंग्रम, फासीन विवाही अंदि, आस्मी विनय कुमार, तबरेज रवान, fofer and. विशास्त्रा बाला, मलि गीता स्वामी सहित अन्य पाध्यापकः प्रध्यापिकाओं कर्मियों के साथ स्वयंसेवकी व अन्य क्षात्र-कात्रा अंग भौजूदगी स्ती।

## आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम

TITALITY



वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौंके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्घोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौंके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडिमक डॉ एमके

मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडिमन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानभृति के सिद्धांतीं को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल



ने कहा कि मानवाधिकार एवं मल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। ये वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।







# आइसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयो

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविद

### आजाद सिपाही संवाददाता

हजारेबाग् । अहसेक्ट विश्वविद्यालय. हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडिंगक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल



सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्जविलात कर किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। वहीं विश्वविद्यालय के कलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की

महत्ता पर अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा और विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों

को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनु कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी और कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा. तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेक्कों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

# सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद



कुलसचिक में मुनीय गीजिर, किया गया। दरअसल या: विश्वविद्यालय में एनएसएस मददगर है। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि एनएसएस किया। बीन एकेप्रीमक में कुमोर महले, सभी दवाल, महल्कपूर्ण योगदन हा।

इकाई के सकताता पूर्वक समुद्रायिक सेवाओं के माध्यम की गतिनिषयां छात्र-छाताओं एमके मिश्रा व निधि विभाग सुनीत कुमार, राहुत कुमार, कार्याव्यवन के लिए एनएसएस. से व्यक्तित्व विकास करना ही को विम्मेदार, संवेदनशील हीन ही व्यवदीप सन्याल ने प्रीतम कमार, भारका कमार, समन्विका सीत एनएसएस एनएसएस का मूल उदेश्य है। और समर्पित नगरिक बनने भी एनएसएस गतिविधियों संगीत कुमारी सहित सभी इन्हों को क्या है है। साथ वहीं विश्वविद्यालय के में मदद करता है। कार्यक्रम में को लेकर स्वपसेवकों को स्वपसेवकों को पीटी व ही उन्होंने एनएसरस के मूल कलपति प्रो पीके नायक ने बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस जानकारी दी। सह प्राध्यापक कदमताल कराया। राष्ट्रपान ठोश्यों पा ध्यान केंद्रित कर एनएसएस की महता पर समय्यविका हो होती कोत ने आदित्य कुमार ने शएका के सथ कार्यक्रम का समापन अप्योजन जीन एडमिन वॉ एसआर रथ, कार्यक्रम नए सत्र में इक्की स्वयंसेवकों से मुखातिब होते अपने विचार साम्रा किए। सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय प्रवीण, तबमीन हुसैन, नेश किया गया। कार्यक्रम को विश्वविद्यालय सभागार में बीन एकेडिंग्क डॉ एमके में पंजीकृत हुए स्वयंसेक्कों हुए कहा कि एन्स्सएस की उन्होंने कहा कि पुन्स्सएस का सेन्य योजना के बारे में विस्तार कुमारी, बीना कुमारी, रीना सफल बनाने में हेरा फर्तिमा, किया गया। कार्यक्रम की मिश्रा, विधि विभाग ग्रीन ग्री के लिए आयोजित की गर्ड पैतिविधियां जात-सरजाओं आदर्श वाक्य मैं नहीं बल्कि से जानकारी दी। साथ श्री कुमारी, मी इरशाद अली, तिनक्त कुमारी, सीमा कुमारी, शुरुआत विश्वविद्यालय के तपदीप सन्याल सहित अन्य थी। विश्वविद्यालय के को सामाजिक और मानवीय आप' है, जो निश्चार्थ सेजा एनएसएस की गतिविधियाँ शिवम कुमार, राजन कुमार, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार कुलपति हो पीके नायक, के हाथों दीप प्रकालित कर कुलसचिव हाँ मुनीप गोविंद ने कौशल विकसित करने में की भावना को दर्शाता है। पीरीटी के माध्यम से प्रदर्शित सेन् कुमर वर्मा, मुकेश सीरित अन्य स्वयंसेवकों का

## आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

# सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास उद्देश्य : डॉ. मुनीष गोविंद

पंच संवाददाता

आईसेक्ट हजारीबाग। विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कलसचिव डॉ मनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के



सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधयां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय

कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य में नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की पावना को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी

कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया।

# आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

### • सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्यः डॉ मुनीष गोविंद

आदिवासी एक्सप्रेस हजारीबाग। विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से को अभिविन्यास मंगलवार आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीध गोविंद, डीन एडीमन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई



को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता

पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य में नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वियका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में

विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन हाँ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सूजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा, तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

### सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद





#### समाचार अवलोकल हजारीबाग योगेंद्र प्रजापति

हजारीबाग । आईसेक्ट वि×विविद्यालय, ह्यारीबाग एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम शुरुआत विश्वविद्यालय के कुल पति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीय गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकंडमिक zή एमक्षे निश्रा, विधि विभाग डीन जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथां प्रज्जविता कर



यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविधालय को कुलसचिव डॉ मुनीय गो विंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्विका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही

जन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान कंद्रित कर स्वयंशेवकों से मुखातिय होते हुए कड़ा कि एनएसएस गतिविधिया संरोध भाग-धात्राओं सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साध ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मृल

वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साधा किए। जनराने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य भी नहीं बरिक आप॰ है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गति विधियां छात्र-छात्राओं जिम्मेदार,

दनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बलीए मुख्य ग्रन्धा एनएसएस समन्वियका डॉ रोजी कात ने सभी रवयंशेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में जानकारी विस्तार से दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रवर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमको मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप शान्याल जे. with एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह आदित्य STREET STREET कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, राजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी,

रीना कुमारी, मो इरशाद अली. शिवम क्मार. कोन् बाजन कमार, मुक्तेश कमार सम्ब क्सार महलो. सन्मी सुजीत दयाल. कमार. प्रीतम राहल कमार. क्रमार, भारकर कमार. संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साध कार्यक्रम समापन किया गया। सपाल कार्यक्रम 188 बनाने में हेश फातिमा. तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवको का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## ह जा रीबाग

## आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

### सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मुल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद



### ment diserve

विक्वविद्यालय, raniferen एकएसएस इक्तर्ज की the resource is the र्वाचीकत्यास कार्यक्रम ametrica-r

रस्थानार में किया गया। व्यक्तम की शुक्तजात विकारितालाम कुरमधीत धी पीके कुलवात का पांक नावक, कुलमधित डॉ बुनीय गोबिंद, डीन एखमिन को एसआर est ofter macerfees क्षाँ गुमले: स्थित, निर्देश विकास जीव जी

area de armit dru muni urseum ner कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए esprénavall de fi आयोगिका वही गई थी। figurationment in कुलसंधित हाँ मुनीच risting

एनएसएस इकाई के quius कार्यान्त्रयन के लिए सर्विता U-SURVIVA प्रकार्य को सवाई दी। माध्य भी संस्थाताता क्षः सीध उद्देश्यों पर श्यान केरित mer requirement six मुच्छतिक श्रीते हुए कश rememen wit unfortinficant me for figures. र्ता जिल ओर मानवीय कीशल प्रान्तरागर से र सामग्र और कता कि सम्प्रक्रिक रोगाओं के माध्यम से Course करना ही एनएसएस out! fazoraron

का मूल उद्देश्य है। के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने प्रन्तीने विकास साझा किए। अन्तीने करण कि

smart ell mit stiver गंभा की भावना को व्हाना है।

जन्तीने करता कि

एनएसएस गतिविधियां serenail wit familiers. संवेदनशील स्वयाचित नामाणिक स्वयो पदार्वकृत्य में सारीर सुराज समन्त्रविका हो रोजी endi स्वाधंस्थानों को राष्ट्रीय रोगा योजना के बारे में विकास से जानकारी di i sensi di mannoni





के माध्यम से प्रदर्शित कुमार ने जागुरता tift trends filteen or विधि विभाग प्रीत प्री अवसीय साम्बाल ने भी एनएसएस गतिनिक्तिको की लेकर स्ववंशक्की को प्राप्तकारी हो। पहर

प्रवीण, तजधीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना क्रमाध क्रिक्स कुमार, राजन कुमार, सॉन् कुमार यसी, मुकेश कुमार सुजीत कुमार, शहल क्ञार, प्रीतम क्यार, भारकर कुमार, संगीता कृत्यारी रावधरीयको को पीटी OF SECREPART OF SECOND 1 राष्ट्रगान के साध व्याचेव्यम वरा समाधन

की सम्बद्धा बन्ताने में aponds, elter aponds, पूजा कुमारी, ऋतिक कृत्यार सहित अन्य **स्वयंग्रह्मा** महत्त्वपूर्ण बोनवान WITH I